(Rs. In lakhs)

S. No.	Programme	Allocation 1992-93	Allocation 1993-94	Remarks
1.	IRDP	5,228.00	9,174.00	
2.	JRY	25,815.64@	26,839.28*	*Tentative
3.	ARWSP	3,390.00	5,488.00	

@Besides, additional amount of Rs. 3581.05 lakh was released on 31-3-93.

(b) and (c) Keeping in view the considerable increase in the total plan outlay for rural development during Eighth Five Year Plan, the allocation to Maharashtra under various rural development schemes is expected to be considerably higher than the allocation made during Sixth and Seventh Five Year Plan periods.

ग्रामीण महिलाओं से संबंधित समस्याएं

3289. श्रीमती कमला सिन्हा : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ग्रामीण विकास की अधिकांश योजनाओं में सिंचाई योजनाओं को प्राथमिकता दी जाती है लेकिन पीने और धोने के लिये जल की आपूर्ति योजनाओं, जिनका सीधा संबंध महिलाओं से है, पर पूरा ध्यान नहीं दिया जाता है,

(ख) क्या पंचवर्षीय योजनाओं में पर्यावरण और महिलाओं से संबंधित दशकों पुरानी समस्याओं पर चर्चा नहीं की जाती है, और

(ग) सरकार का ग्रामीण महिलाओं से संबंधित समस्याओं को कब हल करने का विचार है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय के (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई पटेल) : (क) और (ख) जी नहीं ।

(ग) राष्ट्रीय जल नीति, 1987 के अनुसार जल के आवंटन की सभी पद्धतियों की आयोजना और संचलन में "पेयजल" को प्रथम वरीयता दी गई है । जल की आवश्यकता लिंग विशेष पर आधारित नहीं है चाहे वह पीने के लिए अथवा कपड़े धोने के लिए हो । आठवीं पंचवर्षीय योजना का उद्देश्य, योजना अवधि के अन्त तक निर्धारित मानदंडों के अनुसार समूची ग्रामीण आबादी को स्वच्छ पेयजल सप्लाई मुहैया कराना है । इससे ग्रामीण महिलाओं को जल आवश्यकताओं से जुड़ी समस्या हल होगी । ग्रामीण महिला एवं शिशु विकास योजना (डवाकरा) के तहत ग्रामीण महिलाओं के लिए समूहवार निरन्तर आधार पर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से गरीबी की रेखा से नीचे बसर कर रहे ग्रामीण परिवारों की महिलाओं के उत्थान पर ध्यान दिया जाता है । इसी प्रकार, सामान्यतः महिलाओं से संबंधित समस्याओं को हल करने के लिए विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम हैं जैसे (क) सामाजिक आर्थिक कार्यक्रम, जिसके तहत जरूरतमंद महिलाओं को "काम और मजदूरी" मुहैया कराई जाती है तथा (ख) रोजगार कार्यक्रमों को मदद (एस० टी० ई० पी०), जिसके तहत विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि डेयरी, लघु पशुपालन, मछलीपालन, खादी एवं ग्रामोद्योग, हथकरघा आदि के लिए महिलाओं को रोजगार में सहायता दी जाती है ।

Modifications in JRY Scheme to check mis-appropriation of funds

3290. SHRI V. HANUMANTHA RAO : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Government propose to consider modification of the J.R.Y. Scheme to ensure that funds are not mis-appropriated ;

(b) what proposals are under consideration to prevent blatant mis-use of J.R.Y. funds ; and

(c) the time frame by when the J.R.Y. Scheme is likely to be implemented under strict control and monitoring ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) (SHRI RAMESHWAR THAKUR) : (a) No. Sir.

(b) Does not arise.

(c) A close and continuous monitoring of the implementation of Jawahar Rozgar Yojana both by the Central and State Governments has been established. Progress of the implementation is reviewed on the basis of the Monthly, Quarterly and Annual Progress Reports being compiled and furnished by the State Governments.

The system of checks and balances is built into the Jawahar Rozgar Yojana